

नाम: नैनीशी चौड़ा

कक्षा: 7111-0

Page No.

मजबूतीया राहुल

एक बार एक नए बच्चा राहुल नाम का नया था।
एक बार जब राहुल अपने दोस्त श्याम के घर
आया था खेलने गया, तब श्याम की माता उसी
पूरे तरीके से पूरे तरीके से नहीं जानती थी,
तब श्याम थोड़ी देर के लिए वही पर गया,
तब राहुल उसके पिता से बात-चीत कर रहा था,
उसके पिता ने उससे पूछा कि 'तुम्हारा नाम क्या
है बेटा?' 'जी, मेरा नाम राहुल है', उसने जवाब
दिया। 'तुम कहाँ पढ़ते हो?' 'मेरे स्कूल के
आमने रहा हूँ।' और तुम्हारा स्कूल कहाँ है?
श्याम के पिता ने पूछा। 'जी मेरा स्कूल घर के
आमने है'। श्याम के माता ने फिर पूछा 'बेटा, नहीं,
आप कहाँ पढ़ते हो?', 'जी... मैं तो बोला कि मैं
स्कूल के आमने रहता हूँ' राहुल थोड़ा तेज से
बोला। 'अच्छा... चलो आइये' 'तुम्हारा स्कूल
और घर कहाँ है?' श्याम के माता ने पूछा।
आमने आमने' राहुल ने बताया। 'अच्छा चलो देखो,
यह बताओ कि तुम कौनसे नगर में रहते हो?' 'मैं
मधुरा में रहता हूँ' उसने फिर जवाब दिया। 'अच्छा...
... और किसके पुत्र हो?', 'मधुरा के' उसने
उस इतर दिया, फिर श्याम के माँ वापस वही से
बोली 'अरे! यह क्या बात है? तुम्हारे माता पिता
का नाम और तुम्हारे रहने का अनुमान कैसे कर
सकता है?' 'फिर श्याम के पिता ने बोला 'तुम

अपने आप की बहुत थकुर समझते थे। कमलारी
 लोल में यहाँ नहीं मालती गल सकती, 'तो
 मैं अपनी सब्जी गला लूँगा' शकुल ने जवाब
 दिया, श्याम के पिता ~~फ~~ पिता बहुत नाराज होकर
 कहा 'उड़े, भाइ में क आओ।' 'नहीं मैं तो
 मेरे अकाशन में जाऊँगा' शकुल ने जवाब दिया,
 तब श्याम छुप-छुप के मुस्कुरा रहा था।
 श्याम के माँ ने कहा 'बेटा कमलारी की जवाब
 नहीं' शकुल ने फिर उत्तर दिया 'हाँ! क्योंकि मेरे
 अवाल होते हैं', फिर श्याम के दोनो माता पिता
 पिता बहुत जोर से हँसने लगे। उनके बाद श्याम
 और शकुल भी अको मुँहा ठेसकर हँसने लगे।

